जिस्मानी रिश्तों की चाह -18

“'अब मुझे ये बताओ कि बाजी के जिस्म में ऐसी कौन सी चीज़ है.. जिसे देख कर तुम्हें बहुत मज़ा आता है और तुम्हारा जी चाहता है बार-बार देखने का ?' आपी सवालिया नजरों से मुझे देखने लगीं। ...”

Story By: zooza ji (zoozaji)
Posted: शनिवार, जुलाई 2nd, 2016
Categories: भाई बहन
Online version: जिस्मानी रिश्तों की चाह -18

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जिस्मानी रिश्तों की चाह -18

सम्पादक जूजा

अब तक आपने पढ़ा..

मेरी निगाह को अपनी जांघों के बीच महसूस करके आपी- क्या देख रहे हो ? ? खून आना बंद हो गया तो पैड भी निकाल दिए। अब बताओ ना.. बाजी और खाला का क्या क्या देखा है तुमने ?’

आपी की टाँगों के बीच उनकी सलवार का बहुत सा हिस्सा गीला हो चुका था.. पता नहीं उनको इन बातों में ही इतना मज़ा आ रहा था या मेरी नजरें अपनी टाँगों के दरमियान महसूस करके वो गीली हो गई थीं।

‘अब बता भी दो, बाजी का पहले बताओ..’
आपी की आवाज़ मैं बहुत बेसब्री थी।

अब आगे..

‘जब वो यहाँ थीं.. उस वक़्त तो मैं काफ़ी छोटा था.. लेकिन पिछले साल गर्मीयों में जब मैं और आप बाजी के घर 10 दिन रहे थे.. तब अक्सर ऐसा होता था कि बाजी सफाई वगैरह के लिए या बच्चों को ज़मीन से उठाने.. या किसी और काम से झुकती थीं.. तो अक्सर नज़र पड़ ही जाती थी उनके गले में..
तो ऐसे कुछ दफ़ा उनके आधे-आधे दूध देखे हैं.. और उनके मम्मों की लकीर तो अक्सर बैठे हुए भी नज़र आती ही रहती है।
कितनी बार मैंने नोट किया था कि मुझे आता देख कर आप बाजी की क़मीज़ का गला सही

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

करती थीं..

शायद आपको भी याद होगा एक बार आपी मुन्ने को गोद में लिटा कर दूध पिला रही थीं.. मैं जैसे ही अन्दर आया तो बाजी की निप्पल मुन्ने के मुँह से निकल गई थी क़मीज़ पहले ही आधे मम्मे से ऊपर थी। आप दोनों ही बातों में इतनी गुम थीं कि बाजी को तो वैसे ही परवाह नहीं होती और आपका ध्यान भी उधर नहीं गया था और तकरीबन 25-30 सेकेंड बाद आपने इस अंदाज़ से उनकी क़मीज़ खींची थी कि ना बाजी को पता चल सके और ना मुझे।
लेकिन मैंने नोट कर लिया था.. बस उस दिन मैंने पहली और आखिरी बार बाजी का निप्पल देखा था।”

‘इसके अलावा क्या देखा.. ?’
आपी ने मेरे चेहरे पर नज़र जमाए-जमाए पूछा।

इसके अलावा मैंने बाजी की टाँगें देखी हैं.. आप जानती ही हैं कि वो जब भी फर्श धोती हैं.. तो अपने पाएंचे घुटनों तक चढ़ा ही लेती हैं और 3-4 बार उनका पेट और कमर देखी है। अक्सर जब वो करवट के बल लेट कर कोई रिसाला वगैरह पढ़ रही होती हैं.. तो उनकी क़मीज़ पेट या कमर या दोनों जगह से हटी होती है। उस वक़्त ही देखा है और उनके नफ़ के आस भी एक तिल है.. जैसे आपका है..’

आखिरी जुमला कह कर मैं आपी की आँखों में देख कर मुस्कुरा दिया।
‘बको मत और बताते रहो…’
आपी ने शर्म से लाल होते हुए कहा।

फिर खुद ही 4-5 सेकेंड बाद ही बोलीं- तुम्हारी मालूमात में मैं इज़ाफ़ा कर दूँ कि सिर्फ़ मेरा और बाजी का ही नहीं, बल्कि अम्मी की नफ़ के नीचे भी वैसा ही तिल है।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अम्मी का जिक्र को अनसुनी करते हुए मैं आपी से ही सवाल कर बैठा- आपी प्लीज़ एक बात तो बताओ.. आपको तो पता ही होगा।

'क्या.. ??' आपी ने एक लफ्ज़ कहा और मेरे बोलने का इन्तजार करने लगीं।

'बाजी के सीने के उभारों का क्या साइज़ है.. आप से तो बड़े ही लगते हैं उनके ?' ये पूछते हुए मैंने एक बार फिर आपी के मम्मों पर नज़र डाली।
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

'लगते ही नहीं.. यक़ीनन बड़े ही हैं उनके.. शायद 42 डी साइज़ है बाजी का.. और भी किसी का पूछना है.. या बस ?' उन्होंने डायरेक्ट मेरी आँखों में देख कर कहा।

'नहीं.. मैंने पूछना तो नहीं है लेकिन अगर आप मजबूर करती हैं तो पूछ लेता हूँ..'

मैंने ये कहा ही था कि आपी ने मेरी बात काट कर कहा- जी नहीं.. मैं आपको मजबूर नहीं कर रही.. आप ना ही पूछो !'
मैं मुस्कुरा दिया।

'अब मुझे ये बताओ कि बाजी के जिस्म में ऐसी कौन सी चीज़ है.. जिसे देख कर तुम्हें बहुत मज़ा आता है और तुम्हारा जी चाहता है बार-बार देखने का ?'
ये बोल कर वो फिर सवालिया नजरों से मुझे देखने लगीं।

मैंने कुछ देर सोचा और फिर अपने खड़े लण्ड को नीचे की तरफ दबा कर छोड़ा और कहा- बाजी की बैक.. मतलब उनकी गाण्ड.. उनकी गाण्ड है भी काफ़ी भरी-भरी और थोड़ी साइड्स पर और पीछे को निकली हुई भी है। उनकी गाण्ड की लकीर में जब क़मीज़ फंसी होती है और वो चलती हैं.. तो उनके दोनों कूल्हे आपस में रगड़ खाकर अजीब तरह से हिलते.. और थिरकते हैं.. जब भी ये सीन देखता था.. तो बहुत मज़ा आता था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आप जानती ही हैं कि जब भी वो बैठने के बाद खड़ी होती हैं.. तो उनके कूल्हों की दरार में उनकी क़मीज़ फंसी होती है.. मैंने बहुत बार देखा था.. आप पीछे से उनकी क़मीज़ खींच कर सही करती थीं.. जिसका वो कभी ख़याल नहीं करतीं।

मैंने बात खत्म की ही थी कि दरवाज़ा खुलने की आवाज़ आई और आपी ने फ़ौरन अपनी चादर और स्कार्फ़ उठाया और अपने कमरे में भाग गईं।

कुछ देर बाद ही अम्मी अन्दर दाखिल हुई थीं।
मैंने सलाम किया तो अम्मी ने कहा- बेटा एक गिलास पानी पिला दो।
मैं इतने एतिहात से उठा कि अम्मी को मेरे खड़े लण्ड का पता ना चल सके और किचन में जाकर पानी का गिलास भरा ही था कि आपी अपने कमरे से निकालीं और मम्मी को सलाम करके किचन में आ गईं।

उन्होंने स्कार्फ बाँध लिया था और चादर लपेटी हुई थी। मेरे हाथ से गिलास लिया और मेरे लण्ड की तरफ इशारा करते हुए दबी आवाज़ में कहा- पहले अपने जहाज़ को तो लैंड करवा दो.. इससे बिठा कर ही बाहर जाना..

ये कह कर वे बाहर चली गईं और अम्मी के साथ बैठ कर बातें करने लगीं। मैं किचन से निकला और सीधा ऊपर चला गया। अपने कमरे को बाहर से अनलॉक करके खोला ही था कि फरहान ने दरवाज़ा खोला और मुझे देख कर कहा- अरे भाई आप यहाँ क्यूँ खड़े हो ?

तो मैंने जवाब दिया- यार कमरे में ही जा रहा था.. लेकिन फिर प्यास लगी तो सोचा नीचे जाकर ही पानी पी लूँ।

मैं ये बोल कर नीचे चल पड़ा.. थोड़ी देर बाद फरहान भी नीचे आ गया और उसने सिर झुकाए-झुकाए ही आपी को सलाम किया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आपी उसकी आवाज़ सुन कर अपनी चादर को संभालते हुए उठीं और फरहान का चेहरा दोनों हाथों में ले कर उसका माथा चूमने के बाद बोलीं- ठीक ठाक हो तुम.. वहाँ तुम्हें हमारी याद तो बहुत आई होगी.. खास तौर पर अपने भाई को तो बहुत याद किया होगा ना..'

फरहान आपी के इस हमले के लिए तैयार नहीं था.. इसलिए थोड़ा सा घबरा गया, शायद अम्मी सामने थीं इसलिए भी इहतियात कर रहा था।
उसने यहाँ से निकल जाने में ही गनीमत समझा और आपी के सामने से हट कर बाहर जाता हुआ बोला- आपी मैं बच्चा तो नहीं हूँ.. जो अकेले परेशान हो जाऊँगा..
यह कह कर वो बाहर निकल गया।

अम्मी उठ कर अपने कमरे में चली गईं.. तो मैंने आपी से कहा- क्या दिमाग खराब हुआ है आपका.. ऐसे तंज़ मत करो फरहान पर.. वरना सब काम बिगड़ जाएगा। जब आपने सब कुछ मुझ पर छोड़ा है.. तो मेरे तरीक़े से मुझे संभालने दें ना।

'अरे मैंने तो वैसे ही मज़ाक़ में कह दिया था.. लेकिन मैं भूल गई थी कि वो फरहान है.. सगीर नहीं.. शायद वो बेचारा अभी भी मुझसे डरा हुआ ही है।'
आपी ने फ़िक्र मंदी से कहा।

मैं फ़ौरन बोला- अच्छा अब आप परेशान नहीं होओ.. जाओ मैं देख लूँगा सब..
कह कर मैं भी बाहर जाने लगा.. तो आपी ने पूछा- क्या तुमने मेरे बारे में सब बता दिया है फरहान को ?
मैंने चलते-चलते ही जवाब दिया- हाँ.. एक-एक लफ्ज़..
और मैं बाहर निकल गया।

रात में जब मैं घर में घुसा.. तो सब खाने के लिए बैठ ही रहे थे.. मैंने भी सबके साथ खाना

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

खाया और अपने कमरे में आ गया।
आधे घंटे बाद फरहान भी अन्दर आया तो उसका मूड ऑफ था।

'भाई आपी आपसे तो इतनी फ्री हो गई हैं.. लेकिन मुझ पर तंज़ करती हैं..'

मैंने समझाया- यार.. वो मज़ाक़ कर रही हैं तुमसे.. बेतकल्लुफ होने के लिए ऐसे ही बातें कह देती हैं.. तुम टेन्शन मत लो.. और तुम भी तो भीगी बिल्ली बने हुए हो ना.. उनके सामने घबराए-घबराए से रहते हो.. तो अम्मी-अब्बू को कुछ शक भी हो सकता है.. इसलिए भी आपी तुम को छेड़ लेती हैं.. और मेरी बात कान खोल कर सुनो.. और इसको जेहन में बिठा लो कि आपी की किसी हरकत पर हैरत मत ज़ाहिर करो.. उनकी हर बात.. हर हरकत को नॉर्मल ट्रीट करो.. और बाक़ी सब मुझ पर छोड़ दो।

फिर फरहान के लण्ड को सलवार के ऊपर से ही पकड़ते हुए मैंने कहा- बहुत जल्दी ही इसको आपी की टाँगों के बीच वाली जगह की सैर करवा दूँगा। बस तुम कुछ मत करो और हालत के साथ-साथ चलते रहो.. मैं हूँ ना हालात कंट्रोल करने के लिए।

फरहान ने अपने दोनों हाथों को भींचते हुए कहा- भाई अगर ऐसा हो जाए.. तो मज़ा आ जाए..

कुछ देर मैं फरहान को समझाता रहा और फिर हम दोनों कंप्यूटर के सामने आ बैठे.. ट्रिपल एक्स मूवी देखने लगे।

अचानक ही दरवाज़ा खुला और आपी अन्दर दाखिल हुईं- आह्ह.. मेरे खुदा.. तुम लोग ज़रा भी टाइम ज़ाया नहीं करते हो..

फरहान ने फ़ौरन डर कर मॉनिटर ऑफ कर दिया.. लेकिन फिर कॉन्फिडेंस से बोला- आपी आप.. मिस मौलवी.. नहीं हैं.. आपने भी तो सारी मूवीज देखी ही हैं ना..

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने फरहान को इशारे से चुप करवाया और कहा- अच्छा बहना जी.. तो अब आप क्या चाहती हैं.. ?
आपी ने मुस्कुराते हुए कहा- रूको मुझे सोचने दो.. उम्म्म्मम.. मुझे नहीं समझ आ रहा.. मैं तुम लोगों को क्या करने को कहूँ..'
यह कह कर आपी हमारे राईट साइड पर पड़े हुए सोफे पर जा बैठीं।

'क्या मतलब.. ?' फरहान ने सवालिया अंदाज़ में कहा।
आपी बोलीं- फरहान, दरवाज़ा बंद कर दो।

जारी रहेगी।
avzooza@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Kinara Lane

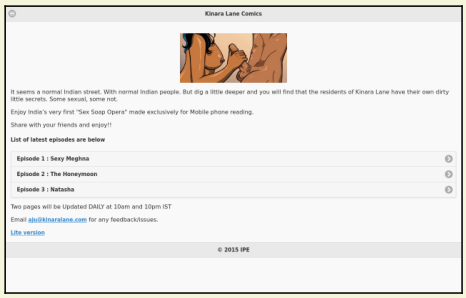

URL: www.kinaralane.com **Site language:** English **Site type:** Comic **Target country:** India A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

Tamil Scandals

URL: www.tamilscandals.com **Average traffic per day:** 48 000 GA sessions **Site language:** Tamil **Site type:** Mixed **Target country:** India Daily updated hot and fun packed videos, sexy pictures and sex stories of South Indian beauties in Tamil language.

Aflam Neek

URL: www.aflamneek.com **Average traffic per day:** 450 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Video **Target country:** Arab countries Porn videos from various "Arab" categories (i.e Hijab, Arab wife, Iraqi sex etc.). The site in intended for Arabic speakers looking for Arabic content.

Bangla Choti Kahini

URL: www.banglachotikahinii.com **Average traffic per day:** GA sessions **Site language:** Bangla, Bengali **Site type:** Story **Target country:** India Bangla choti golpo for Bangla choti lovers.

Antarvasna Indian Sex Photos

URL: antarvasnaphotos.com **Average traffic per day:** 42 000 GA sessions **Site language:** Hinglish **Site type:** Photo **Target country:** India Free Indian sex photos, sexy bhabhi, horny aunty, nude girls in hot Antarvasna sex pics.

Indian Porn Videos

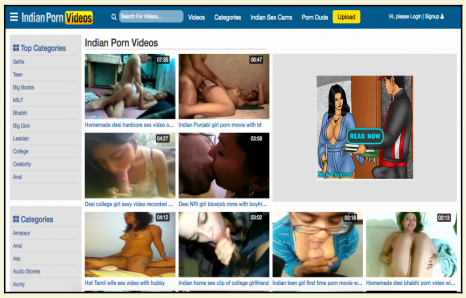

URL: www.indianpornvideos.com **Average traffic per day:** 600 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Video **Target country:** India Indian porn videos is India's biggest porn video site.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire